

Environment Protection is the responsibility of every citizen of India

A seminar on biodiversity awareness was held on May 22nd, 2024, at the MBC Government Girls College, Barmer, India. The event was jointly organized by the Rajasthan State Biodiversity Board, the college itself, its National Service Scheme and IQAC branch, and the Plant Lover Group Barmer.

Key Points:

- The seminar aimed to raise awareness among the public about the importance of biodiversity and the environmental challenges of our time.
- Dr. Anil Chhangani, the chief speaker, emphasized the role of Indian culture and traditions in promoting biodiversity conservation. He highlighted the concept of Oran and Gochamar land and the reverence given to nature in religious practices.
- Other speakers, including Dr. Mukesh Jain, Dr. Khagendra Kumar, and Dr. Deepak Sharma, stressed the urgency of protecting biodiversity for future generations. They pointed out the negative consequences of environmental exploitation and the importance of sustainable practices.

Activities:

- A quiz on biodiversity was conducted for the college's National Service Scheme (NSS) volunteers.
- The NSS volunteers took an oath to conserve biodiversity under the leadership of Dr. Mukesh Jain.

Conclusion:

The seminar served as a platform to educate young women about biodiversity and inspire them to become active participants in environmental conservation efforts. The emphasis on traditional practices and cultural values provided a unique perspective on the importance of protecting our natural world.

हमारी संस्कृति जैव विविधता की आचार संहिता. डॉ. छंगानी

भास्कर संवाददाता | बाड़मेर

हमारी धार्मिक परम्पराएं व संस्कृति प्राचीन काल से जैव-विविधता की आचार संहिता रही है। इस दुनिया में सब कुछ प्रकृति की देन है लेकिन प्रकृति का शोषण भविष्य की चुनौतियों व संकट की ओर संकेत कर रहा है। उक्त विचार स्थानीय एमबीसी राजकीय कन्या महाविद्यालय बाड़मेर में राजस्थान राज्य जैव विविधता बोर्ड जयपुर, एमबीसी राजकीय कन्या महाविद्यालय बाड़मेर की राष्ट्रीय सेवा योजना एवं आइक्यूएसी शाखा तथा प्लांट लवर ग्रुप बाड़मेर के संयुक्त तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय जैव-विविधता दिवस पर आयोजित जैव चेतना विषयक सेमिनार में मुख्य वक्ता महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय बीकानेर के पर्यावरण विज्ञान विभाग के डीन व प्रोफेसर डॉ. अनिल छंगानी ने व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि धरती माता सबकी भूख मिटा सकती है पर लालच किसी का नहीं मिटा सकती। हमारे धर्म, रीति रिवाज और हमारी परंपराओं ने जैव विविधता का हमेशा संरक्षण किया

है लेकिन समय के साथ जैव विविधता का हास हो रहा है। जिसे हमें बचाने की आवश्यकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य डॉ. मुकेश पचौरी ने कहा कि हमारे देश में ओरण व गोचर भूमि की अवधारणा रही है, जिसका मूल उद्देश्य पारिस्थितिकी का संतुलन था। जैवविविधता का संरक्षण ग्लोबल वार्मिंग के विरुद्ध मजबूत दीवार है।

22 मई को अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के व्यापक आयोजन का उद्देश्य आमजन में पर्यावरण व जैव-विविधता के प्रति चेतना का विकास है। प्राणी विज्ञान के सहायक आचार्य व विषय विशेषज्ञ डॉ. खगेन्द्र कुमार ने कहा कि आने वाली पीढ़ी को जैव विविधता सिर्फ तस्वीरों में न देखनी पड़े इसके लिए हम सब मिलकर प्रयास करें।

सेमिनार में विषय विशेषज्ञ राजकीय महाविद्यालय बाड़मेर के प्राणी विज्ञान के सहायक आचार्य डॉ. दीपक शर्मा ने कहा कि भारतीय संस्कृति की प्राचीन परंपराओं में पर्यावरण एवं जैव विविधता संरक्षण प्रक्रियाओं की गहरी पैठ है।

इस अवसर पर विशेषज्ञ राजकीय



महाविद्यालय बाड़मेर के सहायक आचार्य डॉ. मुकेश जैन के नेतृत्व में राजकीय महाविद्यालय बाड़मेर के एन एस स्वयंसेवकों ने इस सेमिनार में भाग लिया।

डॉ. मुकेश जैन ने सेमिनार को संबोधित करते हुए प्राचीन ऋषि-मुनियों की ओर से पशुओं, पक्षियों, नदियों एवं पर्वतों में देवत्व की स्थापना को जैव विविधता के संरक्षण का एक अनुपम उपाय बताया। उनके अनुसार दस पुत्रों को एक वृक्ष के तुल्य बताना जैव विविधता के संरक्षण का अतुल्य उदाहरण है।

सहायक आचार्य एवं आइक्यूएसी संयोजक डायलाल सांखला ने कार्बन फुटप्रिंट पर प्रकाश डाला। पर्यावरणविद् भैराराम भास्कर ने छात्राओं को जैवविविधता

संरक्षण की शपथ दिलाई। गर्ल्स कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी जितेंद्र कुमार बोहरा ने सेमिनार का संचालन किया। इस अवसर पर जैवविविधता क्विज का आयोजन किया गया। विजेताओं को पुरस्कार स्वरूप पौधे भेंट किए गए।

इस अवसर पर आनंद माहेश्वरी व गणेश अग्रवाल, वासुदेव जोशी, डॉ. नवनीत पचौरी, गर्ल्स कॉलेज के वरिष्ठ संकाय सदस्य मांगीलाल जैन व पूराराम, प्लांट लवर ग्रुप से नीरज जोशी, हंस कुमार जोशी, प्रमोद जोशी, प्रवीण बोधरा, श्याम राठी, जय भारती माहेश्वरी, हाकमसिंह, इंद्रप्रकाश, पुष्पा हंस, प्रियंका अग्रवाल, प्रेरणा बख्तानी, दरिया देवी, दिव्यांश जोशी, हरीश कुमार आदि उपस्थित रहे।



